महाराट्र में लाख की खेती एक चुनाव

सी. एल. पारधी

गायत्री लाख उत्पादन संस्थान, बालाघाट (म.प्र.)

महाराट्र के आदिवासी क्षेत्रों में उन्नत विधि से लाख की खेती को बढ़ावा देने के लिए अपने स्तर पर कार्य किया जा रहा है ! जिसमे मुझे जो अनुभव प्राप्त हुआ है उसकी अनुभूति अपने इस लेख में प्रस्तुत कर रहा हूँ ।

समस्याएँ

- उन्नत विधि से जानकारी में कमी ।
- नए क्षेत्र में विपणन की समस्या ।
- मध्यप्रदे६ा से बीहन प्रदाय की समस्या ।
- कुछ गलत एन जी ओ के द्वारा गलत तरीके से जानकारी देना ।

जैसे- जुलाई माह में बीहन का संचारण , जाली का उचित माप दण्ड का नहीं होना
पेड़ों पर सही संचारण नहीं होना, वैज्ञानिक विधि का उपयोग न करना।

- विभागीय कर्मचारियों को लाख की खेती की जानकारी नहीं है जिससे खेती को बढ़ावा देने के लिए समय पर उचित निर्णय नही ले पाते है ।

निवारण

- लोकल स्तर पर क्लस्टर बनाकर ट्रेनिंग की व्यवस्था करना ।
- लोकल स्तर पर पढ़े लिखे लोगों के द्वारा लाख की खेती कराकर मार्केट तैयार करना !
- समय पर नजदीकी स्थानों से उचित उन्नत बीहन सही तरीके से परिवहन कर प्रदान करना
- आपकी संस्था द्वारा बतायी गयी उन्नत विधि की जानकारी देना ।
- समासामायि ट्रेनिंग की व्यवस्था
- संबंधित विभागीय कर्मचारियों को प्रदि्ाक्षण देना ।

भारतीय प्राकृतिक राल एवं गोंद संस्थान द्वारा वैज्ञानिक विधि से लाख की खेती से संम्बन्धित प्राप्त जानकारी का सही सही तरीके से हितग्राहियों को समय-समय पर प्रदि्ाक्षण देने का रहता है है और यह कोदि्ा६ा की जाती है की लोगों को सही समय पर सही जानकारी मिले ।